UNIVERSITY OF CAMBRIDGE

AET2
Asian and Middle Eastern Studies Tripos, Part II

Monday 4th June 2018 9 to 12.00 pm

Paper MES43

Intermediate Hindi Language

*Answer **all** questions.*

*Write your number **not** your name on the cover sheet of **each** answer booklet.*

STATIONERY REQUIREMENTS
20 page answer booklet
Rough Work Pad

SPECIAL REQUIREMENTS TO BE SUPPLIED FOR THIS EXAMINATION
None

You may not start to read the questions printed on the subsequent pages of this question paper until instructed to do so.

1. **Translate into English.**

ग्यारह साल की उम्र तक मैं पिताजी का इकलौता बेटा था। मेरी दो बहिनें उम्र में मुझसे बहुत छोटी हैं। इसी कारण बचपन में मैं बहुत कुछ अकेला ही रहा। मेरी उम्र का कोई साथी मुझे नहीं मिला, क्योंकि किसी पाठशाला में मुझे नहीं भेजा गया। मुझे पढ़ाने के लिए गुरुजी घर पर ही आया करते थे।

मैं पिताजी का बहुत आदर करता था। मैं उन्हें बहुत साहसी और होशियार मानता था। दूसरों से उन्हें बहुत ऊँचा समझता था। मैं अपने मन में सोचा करता था कि बड़ा होने पर मैं भी पिताजी की तरह बनूँगा। मैं पिताजी से डरता भी बहुत था। लेकिन माँ से मैं बिल्कुल नहीं डरता था। मैं जानता था कि माँ मेरे सब अपराधों को माफ़ कर देंगी। माँ सुंदर और कद़ में छोटी थीं। मैं जल्दी ही लगभग उनके बराबर लंबा हो गया।

मेरा बचपन घर के बड़े लोगों की देख-रेख में बीता। रामायण और महाभारत की कहानियाँ मैं सुना करता था। ये कथाएँ माताजी और मेरी चाचियाँ मुझे सुनाया करती थीं। मेरी एक चाची धर्मिक पुस्तकों की बहुत जानकारी रखती थीं। उनको कई कहानियाँ याद थीं।

2. Translate into English.

पिछले वर्ष मुझे वाराणसी जाने का मौका मिला। गाड़ी के चलने का समय नज़दीक आ गया। गाड़ी पर चढ़कर मैंने अपना सामान सीट के नीचे रख लिया और आराम से बैठ गया। दिन के बारह बजे थे, धूप भी बड़ी तेज़ थी, और मुझे प्यास लग रही थी। मैंने सोचा, चाय पी लूँ। मुझे वह मीठी और तेज़ चाय बहुत पसंद है जो स्टेशन के चायवालों के पास मिलती है, सो मैंने खिड़की में से चायवाले को बुलाकर चाय ली। मैंने दो समोसे भी ख़रीदे। जब तक मैंने ये समोसे खाए, तब तक काफ़ी लोग मेरे डिब्बे में घुस चुके थे। जिन लोगों को बैठने की जगह नहीं मिल सकी थी, उन्हें तो अपने सामान के ऊपर बैठना पड़ा। कुछ लोग तो फ़र्श पर भी बैठ गए थे, यहाँ तक कि डिब्बे के अंदर आना जाना भी मुश्किल हो गया था। गाड़ी ठीक समय पर चल दी।

वाराणसी पहुँचने में कितने घंटे लगे, कह नहीं सकता क्योंकि बीच में मुझे नींद आ गई। मैं कम से कम चार घंटे तक सोया हूँगा। जब तक हम वहाँ पहुँचे, तब तक सड़क की बत्तियाँ जल चुकी थीं। गाड़ी से उतरकर मैंने एक कुली कर लिया। वह मेरा सामान उठाकर भीड़ में दौड़ने लगा और मुझे दिखाई नहीं दिया। जब मैं स्टेशन से निकलकर सड़क पर पहुँचा तब मैंने कुली को देखा। वह किसी साथी से बातें कर रहा था।

(Turn over)

3. **Translate into Hindi**.

Sometime I feel very scared of the dark. That's because in the dark we can't see each other's faces. Even if they are visible, they seem a little different. Some faces look so fearsome that people can get frightened! Even I find faces scary in the dark. Coming back into the light, we do forget that face within minutes. But when back in the dark, the face reappears, circling us, so that we become frightened of both the inside and the outside.

Sometimes, having seen a ghost movie, we find it runs circles in our minds. In those moments, even in bright light, we feel scared. But we do not feel too afraid, since there is an atmosphere around us, and some faces which we see that mean we do not feel fearful. But when alone, we feel very scared!

Once, when I was 10-12 years old, I used to live in my aunt's house. My aunt's sister in law had two daughters who were in the habit of sleeping in pitch darkness. I also used to sleep like that sometimes but it feels better if there is at least some light.

4. Translate into Hindi.

It was five thirty in the evening. I climbed onto the roof. My younger brother Rehan was flying a kite. Our roof is the lowest in our colony. Everyone else's is quite high and some even have two to three storeys constructed. I spread a sheet on the roof and sat down. Our neighbouring house is two-storeyed. One its roof, a boy was doing his work from school. He was Raju. He was in class eight. I didn't use to speak much with him. And he also used to stay quite aloof. Because in my house, there are many restrictions about such things. Sometimes because of some need or some work if he spoke with me, he would address me as his elder sister.

My brother's kite was flying in the direction of his roof. A wind was blowing at this time. Many people had climbed onto their roofs. The sound of music playing somewhere could be heard. Also, the sound of girls laughing and chatting could be heard.

END OF PAPER